फीका पड़ा करवा चौथ का उत्साह, चांद न दिखने से बढ़ी परेशानी

काराकाट (आससे)। करवा चौथ के पावन अवसर पर गुरुवार को दिनभर रुक-रुक कर हुई बूंदाबांदी और आसमान में घने बादलों के छाए रहने से व्रतधारी महिलाओं का उत्साह कुछ फीका पड़ गया। व्रत का पालन कर रही महिलाओं के अनुसार, शाम होते ही चांद के दीदार के लिए छतों पर पहुंची सुहागिनों को घंटों इंतजार करना पड़ा, लेकिन खराब मौसम के कारण कई जगहों पर चंद्रमा के दर्शन नहीं हो सके। ऐसी स्थिति में अधिकांश महिलाओं ने मजबूरी में बिना चांद देखे ही व्रत का पारण किया और पति की लंबी उम्र व सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ पूजा-अर्चना पूरी की। वहीं कुछ महिलाओं ने आधुनिक परंपरा अपनाते हुए मोबाइल फोन पर वीडियो कॉल के जरिए पति का चेहरा देखकर और कुछ ने पति को सामने रखकर ही करवा चौथ की रस्म निभाई।

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विद्युत भवन प्रमण्डल, मोतिहारी, भवन निर्माण विभाग
ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–14 / 2026–27
(Double Bid System)
(केवल ई–निविदा पद्धति बेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू. में)	अग्रधन की राशि (रू. में)	निविदा कागजात का मूल्य (रू० में) (अप्रत्यर्पणीय)	ई–निविदा प्रक्रिया शुल्क (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Estimate for Renovation of E/W & E/I in OBC Boys Hostel at Ambika Nagar, Motihari, Distt- East Champaran.	44,21,168.00	88,500.00	5,000.00	As per Online requirement	01 माह

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत भवन प्रमण्डल, मोतिहारी।
2. निविदा आमंत्रित करने की तिथि : दिनांक–27.10.2026 बेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in
3. निविदा कागजात डाउनलोड करने की तिथि एवं समय : दि0–09.11.2026 से दि0–29.11.2026 तक 3:00 अपराह्न तक। केवल बेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
4. निविदा कागजात अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक–30.11.2026 के 3:00 बजे तक केवल बेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
5. निविदा तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक–01.12.2026 को 3:30 बजे। केवल बेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर
6. निविदा वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : सक्षम पदाधिकारी से तकनीकी बीड मूल्यांकन के पश्चात्।
7. प्री–बीड मीटिंग की तिथि एवं समय : दिनांक–18.11.2026 को विद्युत अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, विद्युत भवन अंचल, उत्तर बिहार, भवन निर्माण विभाग, पटना। (3:00 बजे अपराह्न)
8. निविदा की वैधता की अवधि : 120 दिन।
9. निविदा स्वीकृत करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता : सक्षम पदाधिकारी।

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar एवं www.eproc2.bihar.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत भवन प्रमण्डल, मोतिहारी
भवन निर्माण विभाग।

PR- 014494 (BCD) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

योजना एवं विकास विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमण्डल बक्सर
ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 03/2026-27
(केवल ई–टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

कार्यों की विवरणी (योजना / शीर्ष / मद का नाम) : – सामुदायिक भवन–सह–वर्कशेड निर्माण कार्य अन्तर्गत।

ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रूपये में)	अग्रधन की राशि (लाख रूपये में)	परिमाण – विपत्र का मूल्य (केवल ऑनलाइन मोड में भुगतान किया जाना है) (अप्रत्यर्पणीय) (रूपये में)	बीड प्रोसेसिंग शुल्क (केवल ऑनलाइन मोड में भुगतान किया जाना है) (अप्रत्यर्पणीय) (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)
01	02	03	04	05	06	07
1	केसठ प्रखंड अन्तर्गत पंचायत रामपुर के बुड़ावास महादलित टोला में सामुदायिक भवन–सह–वर्कशेड का निर्माण कार्य। (मौजा – रामपुर, थाना नं0 329, खाता संख्या – 243, खेसरा संख्या – 595/1075, रकबा 12 डी0)	29.65000	0.59300	5000.00	590.00 Or as per online mode	6 माह

2- विज्ञापन निर्गत करने की तिथि : दिनांक –27-10-2026
3- निविदा कागजात अपलोड करने की प्रारम्भीक तिथि एवं समय : दिनांक 19-11-2026 को 10.00 बजे पुर्वाह्न से (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4- निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 24-11-2026 समय 3.00 बजे अपराह्न । (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
5- तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 26-11-2026 समय 11.30 बजे पूर्वाह्न (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6- वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : सक्षम पदाधिकारी द्वारा बाद में सूचित किया जायेगा। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
7- निविदा खोलने का स्थान : सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर
8- निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन
9- विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमण्ड़ल बक्सर।

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन,
कार्य प्रमंडल बक्सर।

PR- 014493 (Planning) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

कार्यालय नगर पंचायत, पातेपुर
अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा www.eproc2.bihar.gov.in)
संख्या E-Tender - 08 / 2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता – नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, पातेपुर।
2. निविदा आमत्रण सूचना निर्गत की तिथि – दिनांक – 03.11.2026
3. निविदा कागजात डाउनलोड करने की अवधि – दिनांक – 12.11.2026 को 10:30 बजे से (On website www.eproc2.bihar.gov.in)
4. प्री बीड मीटिग का समय स्थान / तिथि – दिनाक – 13.11.2026 को समय 11:00 बजे पूर्वाहन से Offline स्थान –कार्यालय कक्ष, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, पातेपुर।
5. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि / समय – दिनांक – 28.11.2026 के 15:30 बजे तक। (On website www.eproc2.bihar.gov.in)
6. तकनीकी एवं वित्तीय बीड खोलने की तिथि / समय – दिनांक– 30.11.2026 के 15:30 बजे तक
7. कार्य का विवरण :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य ((Through online payment) अप्रत्यर्पणीय रू0 में)	Bid Processing Fee(Through online payment) (अप्रत्यर्पणीय रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि (इन्कुलिडिंग मोनसून अवधि माह में)
1	2	3	4	5	6	7
A	वार्ड सं0–13 में मुकेश चौधरी के निवास से नगर पंचायत गेट तक जल वितरण नेटवर्क एवं 70 घरेलू कनेक्शन का कार्य।	6,46,600.00	13000.00	1250.00	590.00	02 माह
B	वार्ड सं0–11 में शिवनाथ राय के घर से पूनित भगत के घर, नसिबि राय के घर से बटेश्वर राय के घर तक और रामनाथ राय घर से मुन्ना राय के घर तक जल वितरण नेटवर्क एवं 100 घरेलू कनेक्शन का कार्य।	7,75,600.00	15600.00	1250.00	590.00	02 माह
C	वार्ड सं0–12 में कोआही चौक से डुमरा बोडर तक जल वितरण नेटवर्क एवं 170 घरेलू कनेक्शन का कार्य।	12,03,300.00	24100.00	2500.00	590.00	03 माह
D	वार्ड सं0–06 में पातेपुर बाजार से मौजे सहनी चौक से फकीरचन्द्र चौक और हनुमान चौक से मौजे सहनी चौक तक जल वितरण नेटवर्क एवं 150 घरेलू कनेक्शन का कार्य।	34,01,700.00	68100.00	5000.00	590.00	03 माह
E	वार्ड सं0–06 में फकीरचन्द्र चौक पी .सी.सी. सड़क के दोनो तरफ फलैंक में पेवर ब्लॉक निमार्ण कार्य।	16,57,900,00	33,200.00	5000.00	590.00	03 माह
F	वार्ड सं0–14 में मो0 जमशेद के घर से अब्दूल सत्तार के घर तक ह्युम पाईप नाला निर्माण कार्य।	5,53,900.00	11100.00	1250.00	590.00	02 माह
G	वार्ड सं0–13 में बलदेव मांझी के घर से अशोक गोसाई के घर तक पी.सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	4,62,100.00	9300.00	750.00	590.00	03 माह

8. निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन
9. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in में देखा जा सकता हैं।

नगर कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, पातेपुर

PR- 014506 (B & C) 2026-27

विस्तृत जानकारी वेबसाइट//state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखा जा सकता है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

सांस्कृतिक विरासत को लेकर जागरूकता बढ़ी : अखिलेश

डिहरी ऑन सोन (आससे)। दिल्ली में पहली बार आयोजित शाहाबाद महोत्सव की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने कहा कि उस आयोजन में लोगों की भागीदारी यह स्पष्ट करता है कि अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है और वो इसे संरक्षित करने के साथ हीं वैश्विक पहचान देने हेतु काफी संवेदनशील दिखाई दे रहे हैं।

अखिलेश कुमार ने कहा कि महोत्सव में खुद खर्च उठाकर शाहाबाद प्रक्षेत्र से सैकड़ों लोग न केवल दिल्ली पहुंचे थे, बल्कि लगातार पांच घंटे से अधिक चले कार्यक्रम के दौरान पुरी तरह वहां जमे रहे। उन्होंने कहा कि पहले केवल सड़क, नाली गली और चिकित्सा शिक्षा को लेकर हीं चर्चा होती थी। लेकिन शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति ने वर्ष 2019 से जब अपने विरासत को सहेजते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हुए व्यापक अभियान शुरू किया तो धीरे-धीरे इससे लोगों का जुड़ाव बढ़ने लगा और इसके लिए अपने पॉकेट से हजारों रुपए खर्च कर दिल्ली जाने से भी लोग नहीं हिचकते हैं। यह अपने आप में गौरवशाली कला संस्कृति व पर्यटन को लेकर जागरूकता के साथ हीं संवेदनशीलता का स्पष्ट संकेत है। अखिलेश कुमार ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें राजनीति, प्रशासन, साहित्य, शिक्षा, पत्रकार, कला आदि के क्षेत्रों में शिर्ष पर महती भूमिका निभा रहे लोग के साथ हीं साथ पंचायत व वार्ड स्तर के लोगों ने रोहतास भोजपुर बक्सर तथा कैमूर जिले के उसमें शिरकत किए।

वज्रपात से बचाव को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

औरंगाबाद (आससे)। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के निर्देश एवं जिला पदाधिकारी औरंगाबाद श्रीमती अभिलाषा शर्मा के आलोक में वज्रपात से होने वाली जन-धन की क्षति को कम करने तथा आमजन को वज्रपात से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक-29.10.2026 को औरंगाबाद जिले में एलईडी युक्त जागरूकता वाहनों एवं पपेट-शो के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला आपदा प्रबंधन शाखा, औरंगाबाद द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार आज जिले के विभिन्न पंचायतों में एलईडी युक्त जागरूकता वाहन एवं सामुदायिक स्वयंसेवकों के माध्यम से वज्रपात से बचाव संबंधी जागरूकता संदेशों का प्रचार-प्रसार किया गया।

अर्नब चक्रवात ने किसानों की बढ़ायी परेशानी, खेतों में गिरी धान की फसल

भभुआ/कैमूर (आससे)। अर्नब चक्रवात के प्रभाव से पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने जिले के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पककर तैयार धान की फसल धराशायी हो गई है। खासकर गोविंद भोग, बादशाह भोग और सोनाचूर जैसी लंबी पौधों वाली किस्मों को अधिक नुकसान पहुंचा है। खेतों में गिरी फसल की कटाई करना किसानों के लिए चुनौती बन गया है। जलजमाव और अधिक नमी के कारण कटाई में देरी के साथ मजदूरी का खर्च भी बढ़ने की आशंका है। वहीं, बालियों के मिट्टी और पानी के संपर्क में आने से दानों की गुणवत्ता खराब होने तथा उपज घटने का खतरा है। इसका असर आगामी रबी सीजन पर भी पड़ सकता है। धान की कटाई में देरी होने से गेहूं, चना, मसूर और सरसों की बुवाई पिछड़ने की आशंका है। बसीनी गांव के किसान अभय सिंह अनिल सिंह, और बेलांव के उमाशंकर तिवारी ने बताया कि चक्रवात ने खरीफ की तैयार फसल के साथ रबी की खेती पर भी संकट खड़ा कर दिया है। किसानों को अब मौसम साफ होने का इंतजार है।

नारायणा मिशन स्कूल में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम

औरंगाबाद (आससे)। नारायणा मिशन स्कूल, औरंगाबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकार , औरंगाबाद के तत्वावधान में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, संरक्षण एवं बाल अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षित, भयमुक्त एवं शोषणमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति समाज को जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्रीमती तान्या पटेल, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री दया शंकर सिंह, अधिवक्ता श्री अभिनंदन कुमार, पैनल अधिवक्ता श्री सुबोध कुमार सिंह एवं विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री वीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री वीरेंद्र कुमार द्वारा सभी अतिथियों को बुके, शॉल एवं स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा पैनल अधिवक्ता श्री सुबोध कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री यश कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्रीमती तान्या पटेल ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि 'सुरक्षित बचपन अभियान' केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को भयमुक्त, सुरक्षित, सम्मानजनक एवं शोषणमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है। बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके बचपन की सुरक्षा करना केवल माता-पिता या विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान एवं स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार प्राप्त है।

एसपी ने सुनी लोगों की फरियाद

सासाराम (आससे)। अपने कार्यालय कक्ष में एसपी मिस्टर राजे ने जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की फरीयादसुनी बारिश के बाद भी लोग अपने फरियाद को लेकर एस पी के पास पहुंचे थे एक-एक करके एसपी मिस्टर राज ने लोगों की फरियाद सुनी और इसका निष्पादन करने का प्रयास किया। कुल 10 लोग अपनी फरियाद को लेकर सपा के पास पहुंचे थे। एसपी ने बताया कि जनता दरबार में आए परियों की फरियाद को का मित्रता पूर्वक सुना जाता है और इसका निष्पादन में किया जाता है जिससे लोगों में जनता दरबार के प्रति विश्वास जगा है। और अपनी फरियाद को लेकर पहुंचते हैं जनता की सेवा ही उनका परम कर्तव्य है। लोगों की समस्याओं का स समय निदान हो इसके प्रति वे हमेशा से तत्पर रहते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

गंगा जल संधि में...

प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे का लगभग 25 वर्षों से लंबित विवाद माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के सहयोग से सुलझाया गया है, इसके तहत बिहार को तीन-चौथाई (3/4) पानी प्राप्त होगा। यह राज्य के जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गाद प्रबंधन को लेकर राज्यस्तरीय नीति बनाई है। गंगा सहित अन्य नदियों से निकलनेवाली गाद का वैज्ञानिक तरीके से निष्कासन और उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। गंगा की गाद एवं मिट्टी को आम लोगों के उपयोग तथा सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए आने वाले समय में बिहार सरकार और एन एच ए आई के बीच समझौता किया जाएगा। साथ ही, राष्ट्रीय स्तर पर भी गाद प्रबंधन की एक ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने गंगा के तटबंधों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नदी के प्रवाह और उसके प्रबंधन को वैज्ञानिक तरीके से समझना और उसके अनुरूप कार्य करना जरूरी है। संगोष्ठी में शामिल विशेषज्ञों को गंगा का हवाई सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि वे नदी की वास्तविक स्थिति, प्रवाह और गाद जमाव का प्रत्यक्ष आकलन कर सकें तथा प्रभावी सुझाव दे सकें। उन्होंने कहा कि बिहार की नदियां राज्य के लिए अपार संभावनाओं का स्रोत हैं। इनके जल और गाद का समुचित प्रबंधन कर कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य एक करोड़ लोगों के लिए रोजगार एवं नौकरी के अवसर उपलब्ध कराना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प बिहार की नदियों को राज्य की आर्थिक समृद्धि का आधार बनाना है। जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन, विशेषज्ञों के सुझाव और केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह ने हरित पौधा, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जल सुरक्षा को लेकर तैयार की गयी एक स्मारिका का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान बाढ़, जल प्रबंधन पर आधारित एक लघु फिल्म दिखायी गयी। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, सांसद संजय कुमार झा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, विभिन्न क्षेत्रों से आये हुये जल विशेषज्ञ, अभियंतागण, वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पीएम किसान सम्मान...

सहायता उपलब्ध कराकर खेती-किसानी को मजबूती प्रदान की है। इस योजना के तहत किसानों को प्रतिवर्ष तीन किस्तों में 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है। पिछले सात वर्षों से निरंतर किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए प्रति किसान 7,000 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। कृषि इनपुट सब्सिडी के माध्यम से भी 270 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। सरकार किसानों के साथ हमेशा खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले दो दिनों में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को चिह्नित करें तथा उन्हें मुआवजा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पहली बार टाल और दियारा क्षेत्रों को व्यवस्थित करने के लिए गाद प्रबंधन नीति बनाकर खेती को सुचारू बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। नेपाल की तराई से आने वाले पानी के साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से किसानों को खेती में परेशानी होती है। इस समस्या के समाधान के लिए गाद हटाने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। सभी जिलाधिकारियों एवं आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया गया है कि बालू और गाद के कारण किसानों को होने वाली परेशानियों का समाधान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की 76 प्रतिशत से अधिक आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के साथ उनकी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम0एस0पी0) से जोड़ने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। गन्ना उद्योग को बढ़ावा देने तथा एथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसानों को उनकी उपज का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। गन्ने के साथ-साथ अनाज के छोटे-छोटे टुकड़ों से भी एथेनॉल उत्पादन की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता है। बिहार देश का ऐसा राज्य है, जहां प्रत्येक पंचायत में मौसम की स्थिति के आधार पर किसानों को खेती के लिए परामर्श दिया जाता है। अब पारंपरिक खेती के तरीकों से आगे बढ़कर कृषि को बाजार और एम0एस0पी0 से जोड़ना होगा। तभी किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और बिहार की कृषि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली उपलब्ध करायी जा रही है। कृषि फीडरों को शत प्रतिशत सौर ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में भी काम हो रहा है। कृषि फीडरों के लिए सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 5,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी देनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने और किसानों को खुशहाल करने के लिए जैविक खेती, ग्रीन एनर्जी तथा जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में जीविका दीदियों ने 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का बाजार तैयार किया है। राज्य में 50 लाख महिलाओं को पशु सखी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक 32 लाख पशु सखियां बनाई जा चुकी हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ पशुपालन और कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में दूध उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में दूध का उत्पादन 25 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 32 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। अगले तीन वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। उन्होंने जैविक खेती और ऑर्गेनिक फूड को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाले दुष्प्रभावों से बचने के लिए जैविक खेती की ओर आगे बढ़ना होगा। इससे लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ मिलेंगे और किसानों की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी नौजवानों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की चिंता करते हुए विकसित भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। बिहार सरकार का भी उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि उनके जीवन में खुशहाली आए। किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर बाजार, बिजली, सिंचाई और कृषि आधारित उद्योगों की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ0 प्रेम कुमार, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, लघु जल संसाधन मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन, उद्योग एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह, कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित कृषि विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

भाजपा के पूर्व सांसद...

से मिली जानकारी अनुसार पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए दिल्ली से पटना स्थित अन्नपूर्णा भवन, पाटलिपुत्र लाया जायेगा और अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय सिक्योरिटी एजेंसी एसआईएस के संस्थापक और पत्रकार आरके सिन्हा के निधन से राजनैतिक गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई है। लगभग 75 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

आरके सिन्हा देश के एक बड़े व्यवसायी भी थे जो 2014 से 2020 के बीच राज्यसभा के सदस्य रहे। जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में उनकी सक्रिय भूमिका रही। वे अटल बिहार वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के करीबी थे। उनके बेटे ऋतुराज सिन्हा बीजेपी के नेता हैं और पार्टी के बड़े चेहरों मं शामिल हैं।

शुरुआती दौर में आरके सिन्हा एक पत्रकार थे जिनकी नौकरी 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान चली गई। लेकिन, युद्ध की पत्रकारिता के क्रम में उनकी पहचान बिहार रेजिमेंट के सैनिकों से हुई जिनकी युद्ध में महत्पूर्ण भूमिका थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात जय प्रकाश नारायण से हुई। जेपी ने उन्हें सलाह दी कि एक ऐसा काम शुरू करें जिसमें खुद के साथ रिटायर होने वाले अनुशासित सैनिकों को भी आजीविका का मौका मिले। जेपी की बातों से प्रेरित होकर उन्हों सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (स्कुस) नामक संस्था की स्थापना की। 1947 में पटना में मात्र 2 कमरों के ऑफिस में स्थापित एसआईएस का भारत के बाहर अन्य देशों में विस्तार हो गया।

आरके सिन्हा का जन्म 22 सितम्बर 1951 के उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से सटे बिहार के बक्सर जिले के बहियारा में हुआ था। वे राजनीति विज्ञान विषय के विद्यार्थी थे। शायद यही वजह है कि कांग्रेस की सरकार के दौरान उन्होंने पत्रकारिता का पेशा चुना। बाद में वे खुद राजनीति में आ गए। वे जनसंघ के नेताओं के करीब आये और भारतीय जनता पार्टी के गठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा है कि जनसंघ एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व राज्यसभा सांसद आदरणीय आर. के. सिन्हा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं मर्माहत करने वाला है। उनका स्नेह, अनुभव और मार्गदर्शन सदैव संगठन के कार्यों में मिलता रहा। संगठन के प्रति उनका समर्पण, विचारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके शुभचिंतकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें

निधन पर श्रवण ने...

मंत्री तथा जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।अपने शोक संदेश में श्री कुमार ने कहा कि डॉ. रविंद्र किशोर सिन्हा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं मर्माहत करने वाला है। उनके निधन से बिहार ने एक प्रखर व्यक्तित्व, अनुभवी राजनेता, कुशल उद्यमी और समाज के प्रति समर्पित सेवाभावी व्यक्ति को खो दिया है। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि राजनीति के साथ-साथ उद्यमिता के क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी दूरदर्शिता, परिश्रम और नेतृत्व क्षमता की विशिष्ट पहचान बनाई एसआईएस समूह की स्थापना कर उन्होंने देश में सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया तथा हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए। उन्होंने कहा कि डॉ. रविंद्र किशोर सिन्हा का निधन सामाजिक, राजनीतिक एवं औद्योगिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सदैव याद किया जाएगा। श्री श्रवण कुमार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिंतकों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भ्रष्टाचार के आरोप...

था. आरोप में लगान स्वीकृति और अस्वीकृति में एक समान निर्णय नहीं लेने सहित जानकारी होने पर जमाबंदी रद्द करने का प्रस्ताव देना शामिल है।

सुपौल के तत्कालीन प्रभारी अंचल अधिकारी-सह-राजस्व अधिकारी संदीप कुमार इसके साथ ही सुपौल के तत्कालीन प्रभारी अंचल अधिकारी-सह-राजस्व अधिकारी संदीप कुमार पर रिश्वत लेकर दाखिल-खारिज/नामांतरण करने का आरोप है. उन पर दंड के रूप में आरोप पत्र गठित करने का आदेश दिया गया है. संदीप कुमार पर यह आरोप जयकिशोर साह ने लगाया था. साथ ही आर्थिक अपराध इकाई प्रतिनियुक्त राजस्व एवं